डॉ० रश्मि कुमारी
सहायक प्राध्यापिका
कला, इतिहास विभाग
कला एवं शिल्प महाविद्यालय,
पी०यु०
M.No.6207919904

B.F.A. (4th Semester)

वर्ण या रंग (Colour)

रंग प्रकाश का एक करिश्मा है | जिसकी वजह से रंग दिखाई देता है | वर्ण या रंग पूर्णत: प्रकाश एवं दृष्टी पर निर्भर तत्त्व है | वास्तव में प्रकाश के बिना रंग नहीं देख सकते | अत: कला रचना में वर्ण से तात्पर्य उस सतह से होता है | जिस पर प्रकाश दिखाई देता है |

मानव जीवन में वर्ण का महत्वपूर्ण स्थान है | प्रत्येक वस्तु कोई-न-कोई रंग लिए हुए होती है | रंगों के कारण हीं कोई वस्तु हमें दिखाई देती है और हम उसके प्रति आकर्षित होते हैं | इसलिए तो आदिम गुफावासियों से लेकर आधुनिक मानव में सौंदर्य के विकास में रंगों का सहारा लिया | यही एक माध्यम है जो मानव की मानसिक भावनाओं को उद्वेलित करता है |

प्रकाश किरणों द्वारा हम रंग को देख सकते हैं | जब हम एक प्रिज्म को सूर्य के प्रकाश में रखते हैं तो हम रंग के सात किरणों को देख पाते हैं |जैसे- बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, एवं लाल रंग | पदार्थों का अपना कोई रंग नहीं होता परन्तु उनमें वर्णयुक्त किरणों को ग्रहण अथवा प्रावर्तित करने की क्षमता होती है |

वर्ण की परिभाषा :- वर्ण प्रकाश का गुण है | कोई स्थूल वस्तु का स्वतंत्र अस्तित्तव नहीं है | बल्कि प्रकाश द्वारा मस्तिष्क पर पड़ने वाला प्रभाव हैं | यह एक मानसिक अनुभूति है | यह इतना महत्वपूर्ण है कि मनुष्य की दृष्टी सर्व प्रथम रंगीन वस्तुओं पर जाती है |

रंग के प्रकार :-

न्यूटन के सिद्धांत के अनुसार रंग तीन प्रकार के हैं :

(i) प्राथमिक रंग **(Primary colour)**

(ii) द्वितीयक रंग **(Secondary colour)**

(iii) तृतीयक रंग **(Tertiary colour)**

<u>रंग की पद्धति:-</u>

(i) मोनोक्रोम- एक ही रंग द्वारा गहरे एबं हल्के रंगों की छायाओं द्वारा पिंड बने चित्र मोनोक्रोम कहलाता है |

(ii) पाँलीक्रोम- अनेक रंगो द्वारा निर्मित चित्र को पाँलीक्रोम कहते हैं |

<u>रंगों की विशेषता:-</u>

(i) वर्ण की रंगत- (**Hue**) रंगत वह गुण है जिसे वर्ण विशेष के नाम से जानते है अथवा जिसके आधार पर हम एक रंग को दुसरे रंग से भिन्न करते हैं | जैसे:-लालपन, हरापन |

(ii) मान (**Value**) - वर्ण का मान रंग के हल्केपन या गहरेपन को दर्शाता है |

(iii) सघनता **(Intensity):-**

रंग सघनता वास्तव में शुद्धता एबं चमक दमक को व्यक्त करता है | जबकि मान हल्कापन या गहरापन को दर्शाता है | सघनता , चमकदार एबं मंद रंगों को दर्शाता है | रंग में जब हम उदासीन रंग को मिलाते हैं तो उससे मान और सघनता में परिवर्तन आता है |

(iv) उष्ण रंग – जो सूर्य, अग्नि से सम्बंधित है जैसे लाल, नारंगी, पीला और काला |

(v) शित रंग- इसके अंतर्गत मृदु एबं कोमल रंग आते हैं | जैसेः-सफेद, नीला, और हरा |

<u>रंग से पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभावः-</u>

(i) लाल रंगः- यह सघन एबं आकर्षक रंग है | यह सक्रिय, उत्तेजक, आवेश, साहस, प्रेम तथा संघर्ष का सूचक है | प्रसन्नता राष्ट्र प्रेम, घृणा, क्रोध, को भी प्रकट करता है |

(ii) नीला रंगः- शीतल, शांत, आशापूर्ण, सत्यता एबं मानसिक स्थिरता का प्रतीक है |

(iii) नारंगी रंगः- शौर्य एबं शक्ति का प्रतीक है |

(iv) काला रंगः- दर्द, शोक, पीड़ा को प्रकट करता है |

(v) सफेद रंगः- शुद्धता , सच्चाई एबं शान्ति का प्रतीक है |